ET हिंदी प्राइम

अब महिलाएं भी कर रही हैं अंडरग्राउंड माइनिंग, सोच बदल रही है इंडस्ट्री : प्रिया अग्रवाल हेब्बर

The Economic Times Hindi • Updated: 8 Mar 2026, 6:34 pm IST

Authored by Dinesh Shrinet

हिंदुस्तान जिंक की चेयरपर्सन प्रिय अग्रवाल हेब्बर ने एक विशेष बातचीत में बताया कि तकनीक, ESG और ग्रीन माइनिंग भविष्य की इंडस्ट्री को अधिक टिकाऊ और समावेशी बनाएंगे.

माइनिंग और मेटल सेक्टर में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए बेहतर कार्यक्षेत्र और नई सोच की जरूरत है। हिंदुस्तान जिंक की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बर का कहना है कि ऊर्जा परिवर्तन दरअसल "मेटल ट्रांजिशन" से तय होगा। उनके मुताबिक तकनीक, ESG और ग्रीन माइनिंग भविष्य की इंडस्ट्री को अधिक टिकाऊ और समावेशी बनाएंगे।

शेयर करे सेव करे

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर वेदांता ग्रुप ने संगठन के सभी स्तरों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को 35 फीसदी तक बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने राष्ट्रव्यापी कैंपेन #HerAtTheCore के लॉन्च और लिंक्डइन की अगुवाई में एक हायरिंग ड्राइव शुरू की है, जिसके तहत महिलाओं को माइनिंग,

मैटल्स, ऑयल एंड गैस, पावर एवं टेक्नोलॉजी में करियर बनाने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। प्रिया अग्रवाल हेब्बर , नॉन-एक्ज़क्टिव डायरेक्टर, वेदांता लिमिटेड और चेयरपर्सन, हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड ने बताया, "आज वेदांता में महिलाएं हमारे कार्यबल का 23 फीसदी हिस्सा बनाती हैं, लेकिन यह सिर्फ एक शुरूआत है, हमने 35 फीसदी तक बढ़ने और अंततः 50 फीसदी का तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। हम न सिर्फ महिलाओं की भागीदारी बढ़ा रहे हैं, बल्कि सिस्टम को नया आयाम देकर, आधुनिक तकनीकों को अपनाकर महिलाओं को कोर उद्योगों में शामिल होने के लिए सक्षम बना रहे हैं।" प्रिया अग्रवाल ने ET हिंदी प्राइम के एडीटर दिनेश श्रीनेत के साथ एक ऑनलाइन साक्षात्कार में ऊर्जा परिवर्तन, मेटल्स ट्रांजिशन और महिला प्रतिनिधित्व पर विस्तार से बात की।

माइनिंग और मेटल इंडस्ट्री परंपरागत तौर से पुरुष का बोलबाला रहा है। आपने इस एरिया में अपनी लीडरशिप कैसे स्थापित की और इस दौरान आपकी सबसे बड़ी सीख क्या रही?

प्रिया अग्रवाल हेब्बर: हमारा परंपरागत बिजनेस माइनिंग होने के कारण मेरा बचपन खदानों और स्मेल्टरों के बीच ही गुज़रा, इसलिए इस इंडस्ट्री को मैं बचपन से ही जानती हूं। लेकिन एक ऐसे उद्योग में लीडरशिप की भूमिका निभाना, जिसे लंबे समय से पुरुष प्रधान माना जाता रहा है, यह अपने आप में एक अलग चुनौती थी। लेकिन जब आप किसी इंडस्ट्री के बीच ही पले बढ़े होते हैं तो आप उसके बारे में अधिकांश चीजें जानते समझते हैं, इसलिए जब लीडरशिप की बात आई तो मैंने उस सोच को बदलते हुए दिखाया कि महिलाएं भी उसी तरह लीडरशिप कर सकती हैं और उस इंडस्ट्री का हिस्सा बन सकती हैं।

जहां तक सीख की बात है तो मेरी सबसे बड़ी सीख यह रही कि लीडरशिप का मतलब किसी तय ढांचे में फिट होना नहीं है। असली लीडरशिप तब आती है जब आपको अपने टारगेट साफ दिखते हैं और अपने तय किए हुए रास्तों पर भरोसा होता है। दरअसल एक समय के बाद मैंने खुद को "वूमन लीडर" के तौर पर पेश करना बंद कर दिया और सिर्फ एक लीडर के तौर पर काम करना शुरू किया और बदलाव होने लगा। किसी भी क्षेत्र में लीडरशिप, अंततः फैसलों, कंटीन्यूटी और आपके प्रदर्शन से बनती है।

हिंदुस्तान जिंक की चेयरपर्सन के रूप में आप कंपनी में मजबूत इंवायरमेंट, सोशल, गवर्नेंस यानि ESG चेंज का नेतृत्व कर रही हैं। एक बड़ी माइनिंग कंपनी के लिए ESG का व्यवहारिक मतलब क्या है?

प्रिया अग्रवाल हेब्बर: नेचुरल रिसोर्सेज क्षेत्र में काम कर रही कंपनियों के लिए ESG कोई नई या एडिशनल पहल नहीं बल्कि बिजनेस को लंबे समय तक टिकाऊ बनाए रखने की नींव है। माइनिंग इंडस्ट्री में माइन कई दशकों तक चलती हैं। ऐसे में इंवायरमेंट के प्रोटेक्शन, रिसोर्सेज का जिम्मेदार उपयोग और स्थानीय समुदायों के साथ भरोसेमंद संबंध बनाए रखना बेहद जरूरी है।

हिंदुस्तान जिंक में इनको टारगेट बनाकर लागू कर रहे हैं। हम अपनी एनर्जी जरूरतों में रिन्यूवेबल एनर्जी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ा रहे हैं और 2050 या उससे पहले हमने नेट-जीरो कार्बन एमिशन का टारगेट रखा है। फिलहाल हमारी कुल एनर्जी जरुरत का लगभग 19% रिन्यूवेबल स्रोतों से आता है और वित्त वर्ष 2028 तक हम रिन्यूवेबल स्रोतों की हिस्सेदारी 70% तक ले जाना चाहते हैं। साथ ही, 2020 के बेस ईयर की तुलना में हमने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी 15% की कमी भी हासिल की है, जबकि हमारा प्रोडक्शन लगातार बढ़ रहा है।

भारत ने 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने में माइनिंग और मेटल इंडस्ट्री की क्या भूमिका हो सकती है?

प्रिया अग्रवाल हेब्बर: दरअसल दुनियाभर में जो एनर्जी ट्रांसिशन हो रहा है वो असल में मेटल ट्रांसिशन है। मैं ऐसा इसलिए कह रही हूं, क्योंकि हर इलेक्ट्रिक वाहन, विंड टरबाइन और सोलर पैनल में पारंपरिक तकनीकों के मुकाबले बहुत ज़्यादा

मात्रा में मेटल की जरूरत होती है। उदाहरण के लिए, इलेक्ट्रिक वाहनों में पारंपरिक कारों की तुलना में दो से चार गुना अधिक कॉपर का इस्तेमाल होता है। इसका मतलब है कि वेदांता जैसी कंपनियां भारत के नेट-जीरो लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इंडस्ट्री की जिम्मेदारी है कि इन मेटल का उत्पादन अधिक टिकाऊ और इंवायरमेंट फ्रेंडली तरीके से किया जाए।

संबंधित स्टोरीज़

1 Women Day 2026: महिलाओं की कमाई और जिम्मेदारियां बढ़ीं, क्या इंश्योरेंस प्लाव भी उनके हिसाब से बदल रहे ?

2 वेदांता का बड़ा संकल्प: STEM रोल्स में 50% महिलाओं की नियुक्ति का लक्ष्य, लीडरशिप में भी बढ़ी भागीदारी

3 AC खरीदने की सोच रहे हैं? इस साल 5%-15% तक बढ़ सकती है कीमत; जानिए क्या है वजह

माइनिंग को अक्सर पर्यावरण के लिए चुनौतीपूर्ण इंडस्ट्री माना जाता है। इनोवशन और ग्रीन टेक्नॉलॉजी इस सोच को कैसे बदल सकते हैं?

प्रिया अग्रवाल हेब्बर: माइनिंग को लेकर जो धारणा या सोच बनी हुई है, वह काफी हद तक पुराने समय में जिस तरह से माइनिंग हुई उसपर आधारित है। आज तकनीक इस इंडस्ट्री को तेजी से बदल रही है। बेहतर और एडवांस एक्सप्लोरेशन टूल्स , सैटेलाइट इमेजिंग, प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स और ऑटोमेशन के जरिए मेटल या रिसोर्सेज की खोज और माइनिंग अधिक सटीक और सिक्योर हो गया है। साथ ही टेलिंग्स मैनेजमेंट, पानी का रिसाइकल और रिन्यूवेबल एनर्जी से माइनिंग करने से अब इंवायरमेंट फ्रेंडली माइनिंग हो रही है।

आप एक इंडस्ट्रियल फैमिली से आती हैं, लेकिन अब एक माईन कॉर्पोरेट ग्रुप में लीडरशिप रोल निभा रही है । विरासत और पेशेवर गवर्नेंस के बीच संतुलन कैसे बनाती हैं?

प्रिया अग्रवाल हेब्बर: देखिए, विरासत आपको एक दृष्टिकोण देती है, लेकिन इंस्टीट्यूशंस खड़े करने के लिए आपको मजबूत सिस्टम बनाने पड़ते हैं। व्यवसायिक परिवार से आने का एक फायदा यह होता है कि जब आप फैसला लेते हैं, तो उस समय पीढ़ियों की परंपराओं और सम्मान का भी ध्यान रखा जाता है। वहीं आधुनिक कंपनियों में मजबूत गवर्नेंस, पारदर्शिता और पेशेवर प्रबंधन भी जरूरी होता है। दोनों में बैलेंस का मतलब है नए विचारों और व्यापारिक सोच को साथ लाना।

भारत में तेजी से बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग के बीच जिंक जैसे मेटल की रणनीतिक भूमिका क्या होगी?

प्रिया अग्रवाल हेब्बर: जिंक का सबसे बड़ा इस्तेमाल स्टील को जंग से बचाने के लिए गैल्वनाइजेशन में होता है। यही कारण है कि यह पुलों, रेलवे, बिजली के टावरों और कंस्ट्रक्शन सेक्टर में बहुत ही महत्वपूर्ण है। 2047 तक विकसित भारत बनने के लक्ष्य के साथ देश में तेजी से विकास हो रहा है, लिहाजा अर्थव्यवस्था में इंफ्रास्ट्रक्चर की मजबूती और टिकाऊपन बेहद जरूरी है।

इसके साथ ही एल्यूमीनियम और तांबा भी भारत के विकास में अहम भूमिका निभाएंगे। एल्यूमीनियम हल्के वाहनों, रिन्यूएबल एनर्जी और आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग के लिए जरूरी है, जबकि तांबा बिजली नेटवर्क और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए प्रमुख मेटल है।

मेटल और भारी उद्योगों में महिलाओं की भागीदारी अभी भी कम है। इसे बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए?

प्रिया अग्रवाल हेब्बर: सबसे पहला और जरुरी काम है, इस क्षेत्र से जुड़ी पुरानी धारणाओं को तोड़ना होगा। आज माइनिंग में तेजी से टेक्नॉलॉजी का इस्तेमाल हो रहा है और यह तकनीक आधारित उद्योग बन रहा है, यहाँ अब एनॉलिटिकल क्षमता, इंजीनियरिंग और डिजिटल स्किल की जरूरत है। कंपनियों को ऐसे अपने वर्कफोर्स में वूमन को लाने के लिए इस तरह के सिस्टम बनाने होंगे जोकि उनको काम करने के लिए प्रोत्साहित करें। हमें इस बात पर गर्व है कि हिंदुस्तान जिंक वह पहली कंपनी थी जिसने महिलाओं को अंडरग्राउंड माइनिंग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

आपकी कंपनी ने एनर्जी एफिशिएंसी और ISO 50001 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाया है। भारतीय कंपनियों के लिए इन मानकों का क्या महत्व है?

प्रिया अग्रवाल हेब्बर: जैसे-जैसे भारतीय कंपनियां अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन से जुड़ रही हैं, इसलिए इन अंतरराष्ट्रीय मानकों का महत्व बढ़ता जा रहा है। ISO 50001 जैसे फ्रेमवर्क एनर्जी एफिशिएंसी को संस्थागत रूप देते हैं और निरंतर सुधार की प्रक्रिया बनाते हैं। इससे निवेशकों, रेगुलेटर्स और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के बीच भरोसा भी बढ़ता है।

युवा महिलाओं को लीडरशिप की भूमिका में आने के लिए आप क्या सलाह देना चाहेंगी?

प्रिया अग्रवाल हेब्बर: खुद को सीमित मत कीजिए। कई बार ऐसे क्षेत्र होंगे जहां आपके जैसे लोग कम दिखेंगे, लेकिन यही अवसर होते हैं अपनी क्षमता साबित करने के लिए। अपनी योग्यता बढ़ाइए, जिज्ञासु रहिए और जिम्मेदारी लेने से पीछे मत हटिए। लीडरशिप का मतलब निश्चितता नहीं बल्कि साहस, धैर्य और लगातार सीखते रहने से है।

अगले 10-15 वर्षों में भारत की माइनिंग और मेटल इंडस्ट्री का भविष्य आप किस रूप में देखती हैं?

प्रिया अग्रवाल हेब्बर: आने वाला दशक इस क्षेत्र के लिए परिवर्तनकारी होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों, रिन्यूवेबल एनर्जी , डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और उन्नत मैन्युफैक्चरिंग के कारण मेटल की मांग तेजी से बढ़ेगी। क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ रणनीतिक रूप से और महत्वपूर्ण हो जाएंगे। भारत के पास जियोलॉजिकल रिसोर्सेज हैं और उनको एनवायरमेंट फ्रैंडली तरीके से निकालना देश की एनर्जी सिक्यूरिटी और मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को मजबूत करेगा। साथ ही इंडस्ट्री तेजी से तकनीक आधारित होगी, जहां ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल सिस्टम प्रोडक्शन और सिक्यूरिटी दोनों को बेहतर बनाएंगे। भारत की विकास यात्रा में संसाधनों की रिसाइकलिंग और स्थानीय समुदायों के साथ मजबूत साझेदारी भविष्य के माइनिंग इंडस्ट्री की पहचान होंगे।

अस्वीकरण: यह एक संपादकीय इंटरव्यू है। इसमें व्यक्त विचार संबंधित वक्ता के व्यक्तिगत विचार हैं, इन्हें द इकनॉमिक टाइम्स हिंदी के आधिकारिक विचार नहीं माना जाना चाहिए।

ऑथर के बारे में
Dinesh Shrinet
दिनेश श्रीनेत 'द इकनॉमिक टाइम्स हिंदी' तथा भारतीय भाषा संस्करणों के संपादक हैं. प्रिंट तथा ऑनलाइन पत्रकारिता में करी...

जरूर पढ़ें

US-Israel-Iran War: दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने का सही

Suzlon-Reliance Power सबकी जुबान पर, Astral-PI

Sensex की बड़ी गिरावट से सस्ते हो गए मजबूत और

अगला लेख

ET हिंदी प्राइम

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर PM मोदी का बयान, 3 करोड़ से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी, दिल्ली को दी $33500 करोड़ की सौगात

ET Online • Updated: 8 Mar 2026, 4:50 pm IST

Authored by Ranjeeta Pathare

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर PM मोदी का बयान, 3 करोड़ से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी, दिल्ली को दी $33500 करोड़ की सौगात

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जानकारी दी की 3 करोड़ से अधिक भारतीय महिला लखपति दीदी योजना में शामिल होकर लखपति दीदी बन चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने दिल्ली के बुराड़ी में 33500 करोड़ रुपये की मेट्रो परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया।

शेयर करे

सेव करे

आज यानी 8 मार्च 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखपति दीदी योजना की जानकारी के अलावा मेट्रो परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम मोदी ने बताया कि अब तक 3 करोड़ से ज्यादा महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब सरकार ने

और 3 करोड़ लखपति दीदीयों को इस योजना से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। पीएम मोदी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह लक्ष्य भी जल्द ही पूरा हो जाएगा। इसके अलावा पीएम मोदी ने महिला दिवस के मौके पर महिलाओं को नारी शक्ति बताया।

दिल्ली को 33500 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

दिल्ली के बुराड़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 33500 करोड रुपये की परियोजनाओं का भी शुभारंभ किया। इस्लाम के साथ ही उन्होंने यह कहा कि दिल्ली के विकास को नई गति देने के लिए आज हम सब एकत्रित हुए हैं। कुछ समय पहले ही 33500 करोड रुपये की परियोजनाओं का इनॉग्रेशन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा कि आज एक विशेष दिन है और इस मौके पर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली का विकास किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि भारत की राजधानी दिल्ली में जितनी ज्यादा सुविधा होगी भारत का उतनी ही तेजी और मजबूती से विकास दिखाई देगा। इसलिए कई परियोजनाओं की शुरुआत की जा रही है।

पिंक व मजेंटा लाइन के नए कॉरिडोर की शुरुआत

पीएम मोदी ने यह भी जानकारी दी कि उन्होंने पिंक और मैजेंटा लाइन के नए कॉरिडोर के लिए परियोजनाओं का शिलान्यास किया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मेट्रो महिलाओं के लिए भी आवागमन का एक प्रमुख साधन है इसलिए उनके लिए स्पेशल लाइन की शुरुआत की जाएगी। इसके अलावा तीन नए कॉरिडोर भी बनाए जा रहे हैं जिससे दिल्ली का विकास और तेज रफ्तार से होगा। उन्होंने यह भी कहा कि पीएम मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मंत्र से प्रेरित होकर दिल्ली में 70 अटल कैंटिन की शुरुआत की गई है। इसमें जरूरतमंद लोग केवल ₹5 में रोजाना भोजन कर सकते हैं।

ऑथर के बारे में
Ranjeeta Pathare
रंजीता पठारे 'द इकनॉमिक टाइम्स हिंदी' में कंटेंट राइटर हैं. वे इंडस्ट्री न्यूज के अलावा, पर्सनल फाइनेंस, सक्सेस स्टोरी, MSME,...

जरूर पढ़ें

अब महिलाएं भी कर रही हैं अंडरग्राउंड माइनिंग, सोच बदल

US-Israel-Iran War: दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने का सही

Sensex की बड़ी गिरावट से सस्ते हो गए मजबूत और

TOP COMMODITIES
मेंथा ऑयल रेट | सोना | Chandi ka Bhav | कॉटन रेट | तांबे का भाव | अलमुनियम का रेट | क्रूड ऑयल प्राइस | Kapas ka Bhav | निकल का भाव

QUICK LINKS
भारतीय स्टॉक मार्केट | बजट 2026 | धन-सम्पत्ति | बिज़नेस समाचार विडियोज़ | ऑटो न्यूज़ | लोन अपडेट्स | खेती-किसानी समाचार | स्थिरता और विकास | क्रिप्टोकरेंसी समाचार

THINGS TO KNOW
Ration Card | PM Awas Yojana | Vandana Yojana | Aadhar Card | Sukanya Samriddhi Yojana | Ayushman Bharat Yojana | PM Suraksha Bima Yojana | EPFO | Stand-up India Scheme | PM Jan Dhan Yojana | PM Mudra Loan Yojna

IPO NEWS

Manilam Industries IPO | Gaudium IVF IPO

CALCULATOR

SIP Calculator | EMI Calculator | PPF Calculator | NPS Pension Calculator | FD Calculator

FOLLOW US ON

Contact Us | About Us | Work With Us | Terms of use | Privacy policy | Advertise with us |

Copyright - 2020 Bennett, Coleman & Co. Ltd. All rights reserved. For reprint rights : Times Syndication Service